NEWS CLIPPING: 20.01.2021

PUNJAB KESARI

जरूरतमंद विद्यार्थियों को ब्याजमुक्त लोन देगा जे.सी. बोस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद, 19 जनवरी (ब्यूरो): वित्तीय कठिनाई के कारण फीस देने की असमर्थ विद्यार्थियों के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने एक बार पुन: अनूठी पहल की है। इस सत्र से विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए ब्याज मुक्त सुलभ लोन की सुविधा शुरू की है तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों से 25 जनवरी, 2021 तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के मद्देनजर विद्यार्थियों को वित्तीय राहत देने के लिए इस नीति की शुरुआत की गई थी, और इसके सफल कार्यान्वयन के बाद महसूस किया गया कि इस नीति का दायरा बढ़ाया जाये ताकि नियमित रूप से जरूरतमंद मेधावी विद्यार्थियों की मदद हो सके।

अब विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को ब्याज मुक्त सुलभ लोन की व्यवस्था की गई है ताकि वे अपनी फीस का भुगतान कर सकें। ऐसे विद्यार्थी पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद जब भी रोजगार प्राप्त करेंगे तो उन्हें अपनी लोन राशि को चुकाना होगा ताकि उस राशि से भविष्य में अन्य विद्यार्थी भी लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने में भी मदद करेगा।

कुलपति ने कहा कि इस नीति के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में मातृ संस्थान के प्रति जुड़ाव पैदा करना तथा जीवन में अपनी जिम्मेदारियों को वहन करने में सक्षम बनाना है। इस पहल के लिए धनराशि का वहन विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ 'मॉब' द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस प्रकार, भविष्य में यह स्वत: सृजित एक वित्त कोष का चक्र विकसित होगा जोकि विद्यार्थियों का, विद्यार्थियों द्वारा और विद्यार्थियों के लिए होगा। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह ने बताया कि यह नीति ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए केन्द्रित है जोकि परिवार में वित्तीय समस्याओं के कारण फीस का भुगतान करने में असमर्थता है। ऐसी परिस्थितियों में अभिभावक या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मृत्य, नौकरी या व्यवसाय में नुक्सान या परिवार में किसी सदस्य को ऐसी गंभीर बीमारी, जिस पर अत्याधिक व्यय होता हो या अन्य वैध कारण शामिल हैं।

'पर्यावरण संरक्षण धरती मां की सेवा'

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से आज 'पर्यावरण चेतना : पर्यावरण एवं स्थिरता' विषय विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देशभर में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस को शुरू हुए राष्ट्रीय पर्यावरण युवा मंच 2021 के अंतर्गत शुरू हुई पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का हिस्सा है जोकि 26 जनवरी तक जारी रहेंगी। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण गतिविधि संगठन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किये गये यह जन अभियान की सराहनीय पहल है। पर्यावरण संरक्षण धरती मां की सेवा बताते हुए कुलपति ने कहा कि पर्यावरण क्षरण के लिए मानव खुद ही जिम्मेदार है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। कुलपति ने कहा कि फरीदाबाद जैसे शहर में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या है और इस समस्या के समाधान के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed,20 January 2021
Edition: faridabad kesari, Page no. 1

NEWS CLIPPING: 20.01.2021

HINDUSTAN

जरूरतमंद छात्रों को ब्याज मुक्त लोन देने की योजना

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने कोविड के बीच पारिवारिक आर्थिक कठिनाई से जूझ रहे छात्रों की मदद के लिए योजना बनाई है। इसके तहत इस सत्र से विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों के लिए ब्याज मुक्त सुलभ लोन की सुविधा देगा। जरूरतमंद छात्रों से इसके लिए 25 जनवरी तक आवेदन मांगे गए हैं।

बता दें कि लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से जरूरतमंद छात्रों को सौ फीसदी फीस की प्रतिपूर्ति करने की नीति जारी की गई थी, इसका लाभ संस्थान के 153 छात्रों ने उठाया था। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते छात्रों को वित्तीय राहत देने के लिए इस नीति की शुरुआत की गई थी।

सुविधा

- आर्थिक कठिनाई से जूझ रहे छात्रों की मदद के लिए योजना बनाई
- विद्यार्थियों से 25 जनवरी तक आवेदन मांगे गए हैं

अब विश्वविद्यालय ने छात्रों को ब्याज मुक्त सुलभ लोन देने की व्यवस्था की है ताकि वे अपनी फीस का भुगतान कर सकें। ऐसे जब पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद रोजगार प्राप्त करेंगे तो उन्हें अपनी लोन राशि को चुकाना होगा। संस्थान के डिप्टी डीन (छात्र सुविधा) डॉ. हरीश कुमार ने बताया कि नीति के तहत लाभ उठाने के इच्छुक छात्र 25 जनवरी तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रफोर्मा के तहत संबंधित विभागाध्यक्षों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 20.01.2021

UJALA AAJ TAK

फीस चुकाने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय जरूरतमंद विद्यार्थियों को देगा ब्याज मुक्त सुलभ लोन

उजाला आजतक

फरीदाबाद, (सरूप सिंह)। वित्तीय कठिनाई के कारण फीस देने की असमर्थ विद्यार्थियों के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने एक बार पुन: अनूठी पहल की है। इस सत्र से विश्वविद्यालय ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए ब्याज मुक्त सुलभ लोन की सुविधा शुरू की है तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों से 25 जनवरी, 2021 तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों की शत प्रतिशत फीस की प्रतिपूर्ति करने की नीति जारी की गई थी, जिसके अंतर्गत 153 विद्यार्थियों ने वित्तीय लाभ उठाया। अब विश्वविद्यालय ने नीति के अंतर्गत दायरे का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के मद्देनजर विद्यार्थियों को वित्तीय राहत देने के लिए इस नीति की शुरुआत की गई थी, और इसके सफल कार्यान्वयन के बाद महसूस किया गया कि इस नीति का दायरा ब ?ाया जाये ताकि नियमित रूप से जरूरतमंद मेधावी विद्यार्थियों की मदद हो सके। अब विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को ब्याज मुक्त सुलभ लोन की व्यवस्था की गई है ताकि वे अपनी फीस का भुगतान कर सकें। ऐसे विद्यार्थी पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद जब भी रोजगार प्राप्त करेंगे तो उन्हें अपनी लोन राशि को चुकाना होगा ताकि उस राशि से भविष्य में अन्य विद्यार्थी भी लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने में भी मदद करेगा।

कुलपति ने कहा कि इस नीति के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में मातृ संस्थान के प्रति जु ?ाव पैदा करना तथा जीवन में अपनी जिम्मेदारियों को वहन करने में सक्षम बनाना है। इस पहल के लिए धनराशि का वहन विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ 'मॉब' द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस प्रकार, भविष्य में यह स्वत: सृजित एक वित्त कोष का चक्र विकसित होगा जोकि विद्यार्थियों का, विद्यार्थियों द्वारा और विद्यार्थियों के लिए होगा।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह ने बताया कि यह नीति ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए केन्द्रित है जोकि परिवार में वित्तीय समस्याओं के कारण फीस का भुगतान करने में असमर्थता है। ऐसी परिस्थितियों में अभिभावक या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मृत्य, नौकरी या व्यवसाय में नुक्सान या परिवार में किसी सदस्य को ऐसी गंभीर बीमारी, जिस पर अत्याधिक व्यय होता हो या अन्य वैध कारण शामिल हैं।

डिप्टी डीन (छात्र सुविधा) डॉ. हरीश कुमार ने बताया कि नीति के अंतर्गत लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थी 25 जनवरी 2021 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रपत्र पर अपेक्षित प्रमाण के साथ संबंधित विभागाध्यक्षों के माध्यम से अपने दावे प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नीति के तहत विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

NEWS CLIPPING: 20.01.2021

THE PIONEER

जेसी बोस छात्रों को देगा ब्याज मुक्त लोन

फरीदाबाद। वित्तीय कठिनाई के कारण फीस देने की असमर्थ विद्यार्थियों के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एक बार पुन: अनूठी पहल की है। इस सत्र से विवि ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए ब्याज मुक्त सुलभ लोन की सुविधा शुरू की है और जरूरतमंद विद्यार्थियों से 25 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों की शत प्रतिशत फीस की प्रतिपूर्ति करने की नीति जारी की गई थी, जिसके अंतर्गत 153 विद्यार्थियों ने वित्तीय लाभ उठाया। अब विवि ने नीति के अंतर्गत दायरे का विस्तार करने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के मद्देनजर विद्यार्थियों को वित्तीय राहत देने के लिए इस नीति की शुरुआत की गई थी, और इसके सफल कार्यान्वयन के बाद महसूस किया कि इस नीति का दायरा बढ़ाया जाये ताकि नियमित रूप से जरूरतमंद मेधावी विद्यार्थियों की मदद हो सके। अब विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को ब्याज मुक्त सुलभ लोन की व्यवस्था की गई है ताकि वे अपनी फीस का भुगतान कर सकें।

NEWS CLIPPING: 20.01.2021

NAVBHARAT TIMES

पहल | जरूरतमंद छात्रों के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय आया आगे, 25 जनवरी तक करें आवेदन

तंगी बन रही पढ़ाई में बाधा तो यूनिवर्सिटी से लें बिना ब्याज लोन

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण फीस देने में असमर्थ छात्रों के लिए जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर अनूठी पहल शुरू की है। इस सत्र से यूनिवर्सिटी ने ऐसे छात्रों के लिए ब्याज मुक्त सुलभ लोन की सुविधा शुरू की है। इसके लिए जरूरतमंद छात्रों से 25 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किए हैं।

लॉकडाउन के दौरान यूनिवर्सिटी ने आर्थिक रूप से कमजोर व जरूरतमंद छात्रों की 100 प्रतिशत फीस की प्रतिपूर्ति करने की नीति जारी की गई थी, जिसके तहत 153 छात्रों ने वित्तीय लाभ उठाया। कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि महामारी के मद्देनजर छात्रों को वित्तीय राहत देने के लिए इस नीति की शुरुआत की गई थी और यह सफल भी रही। अब इसका दायरा बढ़ाने की जरूरत महसूस की गई, ताकि नियमित रूप से जरूरतमंद मेधावी छात्रों की मदद हो सके। यूनिवर्सिटी की ओर से छात्रों के लिए ब्याज मुक्त सुलभ लोन की व्यवस्था की गई है, ताकि वे अपनी फीस का भुगतान कर सकें। ऐसे छात्र कोर्स के पूरा होने के बाद जब भी रोजगार प्राप्त करेंगे, तो उन्हें अपनी लोन राशि को चुकाना होगा।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी ऐसे छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में भी मदद भी करेगी। इसके लिए धनराशि का वहन यूनिवर्सिटी व पूर्व छात्र संघ की ओर से संयुक्त रूप से किया जा रहा है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर लखविंदर सिंह, डिप्टी डीन डॉ. हरीश कुमार ने बताया कि छात्र 25 जनवरी तक यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर संबंधित विभागाध्यक्षों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नहीं रुकेगी पढ़ाई

- लॉकडाउन के दौरान यूनिवर्सिटी ने जरूरतमंद छात्रों की 100 प्रतिशत फीस की प्रतिपूर्ति करने की नीति जारी की थी
- अब इस नीति का दायरा बढ़ाया जा रहा है, ताकि नियमित रूप से छात्रों की मदद की जा सके, कोर्स के बाद चुका सकेंगे लोन
- कोर्स पूरा करने के बाद यूनिवर्सिटी रोजगार दिलाने के लिए भी करेगी सहायता

पीजी में दाखिले के लिए फिर मिला मौका

- 25 जनवरी तक छात्र कर सकते हैं आवेदन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेजों में पीजी कोर्सेज में दाखिले के लिए छात्रों को एक अंतिम मौका हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट ने दिया है। डिपार्टमेंट ने दाखिले के लिए पोर्टल 25 जनवरी तक खोल दिया है।

पीजी कोर्सेज के लिए मेरिट सूची जारी होने के बाद सबसे पहले 22 दिसंबर तक दाखिले हुए थे। इसके बाद सीटें खाली रहने पर 28 दिसंबर से दाखिले की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई और फिजिकल काउंसलिंग के तहत दाखिले का दौर शुरू हुआ था। दाखिले के लिए छात्रों को 5 जनवरी तक मौका मिला था। इसके बाद भी सीटें खाली रह जाने के बाद तारीख को 11 जनवरी तक बढ़ा दिया गया था। उसे बाद भी बहुत से कॉलेज में सीटें खाली रह गईं। ऐसे में कई कॉलेजों की तरफ से डिपार्टमेंट को दाखिले का एक और मौका देने की मांग की गई।

कॉलेजों में दाखिला प्रक्रिया ऑफलाइन ही पूरी की जाएगी। 25 जनवरी तक छात्र कॉलेजों में आवेदन कर दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए छात्रों को दस्तावेजों की फिजिकल वेरिफिकेशन करानी होगी और इसके बाद कॉलेज स्तर पर ही मेरिट सूची जारी की जाएगी। इसके बाद दाखिले के लिए कोई मौका नहीं दिया जाएगा। सेक्टर 16 स्थित नेहरू कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एमके गुप्ता ने बताता कि पीजी कोर्सेज में दाखिले का छात्रों को अंतिम मौका दिया गया है। डिपार्टमेंट के निर्देशानुसार कार्यवाही पूरी होगी।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 20.01.2021

DAINIK BHASKAR

जरूरतमंद विद्यार्थियों को फीस चुकाने के लिए देगा लोन, नौकरी मिलने पर वापस करना होगा

फरीदाबाद| वित्तीय कठिनाई के कारण फीस देने में असमर्थ विद्यार्थियों के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अनूठी पहल शुरू की है। वह ऐसे विद्यार्थियों को ब्याजमुक्त सुलभ लोन देगा। जरूरतमंद विद्यार्थी 25 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय ने आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों की शत प्रतिशत फीस की प्रतिपूर्ति करने की एक नीति जारी की थी। इसके तहत 153 विद्यार्थियों ने वित्तीय लाभ उठाया।